ChalisaPDF

# शिवजी की आरती

**।। ॐ श्री गणेशाय नमः ।।**

**ॐ जय शिव ओंकारा स्वामी हर शिव ओंकारा, ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्द्धांगी धारा ।।**
**ॐ हर हर हर महादेव ।।**

एकानन चतुरानन पंचानन राजे, हंसासन गरूड़ासन वृषवाहन साजे ।।
ॐ हर हर हर महादेव ।।

**दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज अति सोहे, तीनो रूप निरखता त्रिभुवन जन मोहे ।।**
**ॐ हर हर हर महादेव ।।**

अक्षमाला बनमाला रूण्डमाला धारी, चंदन मृगमद चंदा भाले शुभकारी ।।
ॐ हर हर हर महादेव ।।

**श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे, सनकादिक ब्रम्हादिक भूतादिक संगे ।।**
**ॐ हर हर हर महादेव ।।**

कर मध्ये कमण्डलु चक्र त्रिशूल धर्ता, जगकरता जगहरता जगपालन कर्ता ।।
ॐ हर हर हर महादेव ।।

**ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका, प्रणवाक्षर के मध्ये यह तीनो**

**एका ।।**
**ॐ हर हर हर महादेव ।।**

श्री त्रिगुणत्मक स्वामी जी की आरती जो कोइ नर गावे,
कहत शिवानन्द स्वामी मनवान्छित फल पावे ।।
ॐ हर हर हर महादेव ।।

**ॐ जय शिव ओंकारा, स्वामी हर शिव ओंकारा,**
**स्वामी पार्वती का प्यारा, स्वामी पी के भंगप्याला,**
**स्वामी रहते मतवाला, जटा में गंग विराजे,**
**मस्तक पर चन्द्रमा साजे, ओढ़े मृगछाला ।।**
**ॐ हर हर हर महादेव ।।**

ChalisaPDF.in